योगवासिष्ठ का दार्शनिक चिन्तन

संपादक: डॉ. इन्द्र मोहन सिंह

पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला

Scanned by CamScanner

©
महर्षि वाल्मीकि चेयर,
पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
(1961 के पंजाब एक्ट नं. 35 अधीन स्थापित)

Yogavāsiṣṭha kā ḍārśnika cintana
by
Dr. Indermohan singh

ISBN: 978-81-302-0440-6

2017

प्रतियां : 250

मूल्य : 350

डॉ. देविन्द्र सिंह रजिस्ट्रार पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की ओर से प्रकाशित तथा शहीद-ए-आज़म प्रैस, पटियाला द्वारा मुद्रित

Scanned by CamScanner

15. जीव के संदर्भ में अन्य दर्शनों व योगवासिष्ठ की अवधारणा 149
– डॉ. हेमानन्द उनियाल
16. योगवासिष्ठ में ज्ञानाज्ञान चिन्तन –डॉ. देवी सिंह 157
17. योगवासिष्ठ रामायण में ऋषिमुनि–डॉ. नौनिहाल गौतम 167
18. योगवासिष्ठ में प्रतिपादित बौद्धदर्शन के सिद्धान्त 176
– डॉ. विभा अग्रवाल
19. योगवासिष्ठ और प्रत्यभिज्ञादर्शन में परमतत्व की अवधारणा 185
–डॉ. सुरेन्द्र पाल
20. योगवाशिष्ठोक्त वैराग्यबाधिका लक्ष्मी का चरित 190
–डॉ. सुषमा अलंकार
21. योगवाशिष्ठानुसार बन्धन एवं मोक्ष–डॉ. रामचन्द्र 198
22. योगवासिष्ठ में मोक्ष की अवधारणा –डॉ. सविता सचदेवा 203
23. योगवासिष्ठ में जीवनमुक्ति विमर्ष–डॉ. ऋषभ भारद्वाज 211
24. योगवासिष्ठ एवं उपनिषदों में कर्म (तुलनात्मक दृष्टि) 220
– डॉ. दीपशिखा
25. योगवासिष्ठ में अद्वैतवाद – आशिष कुमार 230
26. योगवासिष्ठ में बन्धन एवं मोक्ष का स्वरूप–गोपी शर्मा 241
27. योगवासिष्ठ में मनविश्लेषण –कपिल देव 250
28. परिशिष्ट–1 : संगोष्ठी प्रतिवेदन –डॉ. त्रिलोचन शर्मा 258
परिशिष्ट –2 : विद्वानों की संकेत सूची 263

Scanned by CamScanner